

नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा हिन्दी पुस्तिकाओं का प्रकाशन

६८. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल ने अब तक उत्पादन-वृद्धि संबंधी कितनी पुस्तिकाएँ प्रकाशित की हैं, और

(ख) अंग्रेजी न जानने वाले कारीगरों तथा उद्योगपतियों के लाभ के लिये इन पुस्तिकाओं में से अब तक कितनी पुस्तिकाएँ हिन्दी में प्रकाशित की गई हैं, और शेष पुस्तिकाओं का हिन्दी अनुवाद करवाने के लिये क्या किया जा रहा है ?

†[PUBLICATION OF HINDI PAMPHLETS BY N.P.C.]

68. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the number of pamphlets so far brought out by the National Productivity Council relating to increase in production; and

(b) how many of these pamphlets have so far been published in Hindi for the benefit of those artisans and industrialists who do not know English and what is being done to get the remaining pamphlets translated into Hindi?]

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) :

(क) अठारह ।

(ख) केवल एक राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् ने स्थानीय उत्पादकता परिषदों को जिनकी संख्या लगभग ४० है, परिषद् के प्रकाशनों का हिन्दी तथा अन्य प्रादेशिक

भाषाओं में उनकी आवश्यकतानुसार अनुवाद कराने की सलाह दी है ।

†[THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) Eighteen

(b) One only. The Local Productivity Councils, numbering about 40, have been advised by the National Productivity Council to get the Council's publications translated into Hindi and other regional languages according to their requirements.]

योजना आयोग में प्राप्त हिन्दी पत्र

६९. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) योजना आयोग तथा उसके सम्बद्ध कार्यालयों में १९६० की प्रथम छमाही में हिन्दी के कुल कितने पत्र प्राप्त हुये, और

(ख) इन पत्रों में से कितनों का उत्तर (१) हिन्दी में और (२) अंग्रेजी में दिया गया ?

†[COMMUNICATIONS RECEIVED IN HINDI IN THE PLANNING COMMISSION

69. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) the total number of communications received in Hindi in the Planning Commission and its attached offices during the first half of the year 1960; and

(b) the number of those communications which were replied to (i) in Hindi and (ii) in English?]

श्रम तथा सेवा नियोजन और योजना उप मंत्री (श्री एल० एन० मिश्र) : (क) ८८ ?

(ख) (१) ८१९

(२) ६२

†[THE DEPUTY MINISTER OF LABOUR AND EMPLOYMENT AND PLANNING (SHRI L. N. MISHRA): (a) 881.

(b) (i) 819

(ii) 62.]

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा हिन्दी में निकाले जाने वाले सांख्यिकीय प्रकाशन

७०. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा कितने सांख्यिकीय प्रकाशन नियमित रूप से निकाले जाते हैं और उनमें से कितने (१) केवल अंग्रेजी में और कितने (२) अंग्रेजी तथा हिन्दी दोनों में निकाले जाते हैं ; और

(ख) क्या उन प्रकाशनों को, जो इस समय केवल अंग्रेजी में निकाले जाते हैं हिन्दी में भी निकालने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो वह योजना क्या है ?

†[STATISTICAL PUBLICATIONS BROUGHT OUT IN HINDI BY THE CENTRAL STATISTICAL ORGANISATION

70. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of statistical publications which are regularly brought out by the Central Statistical Organisation; and the number of them brought out (i) in English only (ii) both in English and Hindi; and

(b) whether there is any scheme under Government's consideration for bringing out those publications in Hindi also which are at present brought out in English only; if so, what is that scheme?]

प्रधान मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) :

(क) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (Central Statistical Organisation) द्वारा नियमित रूप से निकाले जाने वाले प्रकाशनों की संख्या—७

(१) केवल अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले प्रकाशनों की संख्या—६

(२) अंग्रेजी व हिन्दी दोनों में प्रकाशित प्रकाशनों की संख्या—१

(ख) इन प्रकाशनों में से कुछ और को भी क्रमशः हिन्दी में प्रकाशित करने के सवाल पर विचार किया जा रहा है ।

†[THE PRIME MINISTER (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) Number of statistical publications regularly brought out by the Central Statistical Organisation—7.

(i) Number of those published in English only—6.

(ii) Number of those published in English and Hindi (bilingual)—1.

(b) The question of bringing out more of such publications in Hindi by stages is being considered.]

कार्यक्रम मूल्यांकन संगठन तथा योजनाकार्य संबंधी समिति के हिन्दी प्रकाशन

७१. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कार्यक्रम मूल्यांकन संगठन तथा योजना-कार्य संबंधी समिति ने अब तक कितने कितने प्रकाशन निकाले हैं और उनमें से अब तक कितने प्रकाशनों का हिन्दी रूपान्तर प्रकाशित किया जा चुका है; और